क्रिया

PART→2

→ सकर्मक क्रिया के भेद दो होते हैं-
(1) एक कर्मक
(2) द्वि-कर्मक

(1). **एक कर्मक**-: जिस क्रिया में एक कर्म पाया जाता है, उसे एककर्मक सकर्मक कहते हैं।

उदा०- राम सेब खाता है।
मोहन चाय पीता है।

(2). **द्वि-कर्मक**-: जिस क्रिया में दो कर्म पाए जाते हैं, द्विकर्मक सकर्मक क्रिया कहलाती है।

उदा०- ⇒ शीला (कौन) गाय को (किसको) चारा (क्या) खिलाती है।
गाय को (गौण कर्म) (सजीव कर्म); चारा (मुख्य कर्म) (निर्जीव कर्म)

→ क्या, किसको, कौन

⇒ माँ बच्चे को दूध पिलाती है।
माँ (कर्त्ता) बच्चे को (गौण कर्म) दूध (कर्म मुख्य) पिलाती (क्रिया)

⇒ अध्यापक छात्रों को हिंदी पढ़ाते हैं।
अध्यापक (कर्त्ता) छात्रों को (गौण कर्म) हिंदी (मुख्य कर्म) पढ़ाते (क्रिया)

★ **अर्थ के आधार पर क्रिया के भेद → पाँच**

(1) **प्रेरणार्थक क्रिया**- जहाँ पर वाक्य कर्त्ता स्वयं कार्य नहीं करता तथा दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया होती है।

(शाब्दिक अर्थ प्रेरित करना)

उदा०- माताजी ने पिता जी से सब्जी मंगवायी।
मास्टर जी ने छात्रों से पढ़वाया।

(2) पूर्वकालिक क्रिया : जब वाक्य का कर्ता एक क्रिया समाप्त करके उसी समय दूसरी क्रिया शुरू करता है, तो पहले वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है।
(पहले काल का समय)

उदा.- राकेश पढ़कर सो गया।
(पूर्वकालिक) (दूसरी क्रिया)
→ बच्चा दूध पीकर खेलने लगा।

(3) नामधातु क्रिया : वे क्रियाएँ जिनका निर्माण संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण से होता है, नामधातु क्रिया कहलाती है।

उदा.- बात → बतियाना
हाथ → हथियाना
शरम → शर्माना
झूठ → झुठलाना
पीला → पीला पड़ना
गरम → गरमाना
(गर्म)

(4) सामान्य क्रिया : जब वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग किया जाता है। वहाँ सामान्य क्रिया होती है।

उदा.- मोहन सोता है
(क्रिया) (सहायक क्रिया)
→ मोहन पढ़ा → राम दौड़ा
→ सीता खेली → सोहन रोया।
→ माताजी ने खाना बनाया।
→ राम ने खाना खाया।

(5) संयुक्त क्रिया : जब दो या दो से अधिक क्रियाएँ एक साथ आती हैं, वहाँ पर संयुक्त क्रिया होती है।

उदा.- राकेश हमारे घर आता-जाता रहता है। (आना-जाना)
मोहन पत्र लिखने लगा। (लिखना-लगना)
शीला पाठ पढ़ने लगी। (पढ़ना-लगना)

विशेष → संयुक्त क्रिया के भेद : (11).

सजातीय क्रिया

धातु

चढ़ → चढ़ना → चढ़ाई

पढ़ → पढ़ना → पढ़ाई

क्रियात्मक क्रिया

* टहलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।

अनुकरणात्मक क्रिया

हिन-हिनाना

भिन-भिनाना

राम पत्र लिख रहा है → सहायक क्रिया
(मुख्य क्रिया को स्पष्ट करती है)